This work is a digital copy of a play which was scripted and performed by Jana Natya Manch, Delhi. It is being made available on the internet via digital means to enable performance, translation, adaptation, or academic study.

Jana Natya Manch is placing this work in the public domain under the Creative Commons Attribution Non-Commercial Share Alike License 3.0.

Usage guidelines

The rights to the work rest with Jana Natya Manch. You may use it under the following conditions:

+ You will make non-commercial use of the work.
+ Maintain attribution of the work to Jana Natya Manch.
+ Sharing the work with others will be contingent upon all of the above conditions being agreed to by every subsequent user.

For further information visit www.jananatyamanch.org

Note: This PDF was prepared by exporting an earlier version of the file which used proprietary fonts. Due to some incompatibility some of the fonts have not converted properly. We believe you will be able to read the play nevertheless.

अंधेरा आफ़ळताब मांगेगा

;जन नाट्य मंचऋ १९९६ऋ ३५ मिनटऋ १० कलाकारद्ध

पात्र विभाजन

१.	बादल	
२.	विक्की	*;तीन दोस्तद्ध*
३.	अज्जू	
४.	शालू	
५.	गंजेशाह	*;शालू का पिताद्ध*
६.	ठेवेळदार / मालिक	
७.	मालिक का बेटा	
८.	बांवेळलाल	*;अधेड़ उम्र का मज़दूरद्ध*
९.	दादी	*;बादल की दादीद्ध*
१०.	प्रकाश	*;नौजवान मज़दूरद्ध*

[सभी पात्र गाना गाते प्रवेश करते हैं। विभिन्न कामगारोचित संरचनाएं बनती हैं।]

गाना : ये कहानी-ये कहानी-ये कहानी
ये कहानी गलियों की सांसों की जुंबिश
ये कहानी धुएं वेळ बादल की ख़्वाहिश
ये कहानी बस्तियों पे ख़ूं की बारिश
ये कहानी मौत की ख़ामोश साज़िश
ये कहानी इश्क की पुरज़ोर पिळतरत
ये कहानी ज़िंदगी ने बदली करवट
ये कहानी ज़िंदगी ने बदली करवट

[अज्जू, विक्की और बादल गिल्ली-डंडा खेलते हैं। बाव़ळी पात्रों का प्रस्थान।]

विक्की : ओए अज्जू, ठीक से मारियो।
अज्जू : अबे हां, हां, ठीक से ही मारूंगा, ये ले।
बादल : ओए हट जा विक्की। रख ले बे, डंडा ज़रा ढंग से रख ले।
अज्जू : हां ढंग से रखा है, पैर आगे मत बढ़ा तू।
बादल : हां-हां नहीं बढ़ा रहा, तू रख, ये-ये-ये ले बेटा, छोड़ दे।
अज्जू : यार विक्की बादल का निशाना बड़ा तेज है।
बादल : देख ले बेटा चार साल बाद खेल रहा हूं फिर भी देख एंट कितना तेज़ है।
विक्की : हां, हां। चल मार।
बादल : मार रहा हूं। बेटा पीछे जा, गुल्ली पीछे जाएगी।
विक्की : मार तो सही।
बादल : ये ले बेटा। ओए विक्की बीच में हाथ मत अड़ाया कर।
विक्की : क्यूं बे, फील्डिंग नहीं करूंगा।
बादल : अच्छा चल-चल गुल्ली मार *;गुल्ली मारता है।द्ध*
अज्जू : ओए बादल तूने डंडा क्यों हिलाया बे?
बादल : यार मेरे हाथ में लग जाती तो।
विक्की : ले बेटा खेल ले अब तू। *;गुल्ली डंडा उठा लेता है।द्ध*
बादल : विक्की लगी नहीं है यार। अज्जू, मां की व़ळसम लगी नहीं है।
अज्जू : तेरी तो मां ही नहीं है।
विक्की : अच्छा बादल, मां की कसम तो हर कोई खा लेता है, तू बाप की कसम खा ले।
बादल : बाप की व़ळसम यार, लगी नहीं है।
अज्जू : अबे देख-देख बाप की झूठी कसम खा रहा है।
विक्की : छोड़ यार बादल, तू खेल।
बादल : यार विक्की तू इसे मत खिलाया कर। हमेशा रोमंची खाता रहता है ये साला।
अज्जू : हां, हां चल मार।
बादल : बेटा गुल्ली पीछे जाएगी, तू पीछे चला जा।
अज्जू-विक्की : तू मार तो सही।
अज्जू : अबे विक्की, कल तेरी गली में क्या हो गया था?
विक्की : वो है ना, शालू का बाप गंजा दारू पीवेळ डिरामा कर रहा था।
बादल : ओए! गंजे चाचा वेळ लिए ऐसा मत बोलियो।
विक्की : वो मेरे गांव का है, मैं तो बोलूंगा।
अज्जू : गंजा क्या तेरा ससुर लगता है?
बादल : नहीं लगता है तो लग जाएगा।
अज्जू : जब लग जाएगा तब नहीं बोलेंगे।

www.jananatyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License

विक्की : जब शालू से तेरी शादी हो जाएगी तब नहीं बोलेंगे। अभी तो हम बोलेंगे। पता है दारू पी वेळ क्या बोल रहा था। ''ओए, हट जा। मैं इस पैळक्ट्री को आग लगा दूंगा।'' और अपनी ही झुग्गी में आग लगा रहा था। इतने में आई शालू, धरवेळ वो डांट मारी गंजे को कि गंजा सीधा घर वेळ अंदर।

बादल : तमीज़ तो है नहीं सालों को, अपने से बड़ों को ऐसे बोलते हैं।

विक्की : हां-हां तू डंडा रख चल। इस बार तो बेटा तुझे विद्यारानी भी नहीं बचा पाएगी। ले, ये ले बेटा छोड़ दे।

बादल : हां-हां अभी तुझे भी आउट करता हूं।

विक्की : अज्जू तेरी पैळक्ट्री में क्या हुआ था?

अज्जू : यार वो है न रामदीन, बेचारे का इतना हाथ *;इशारे सेछ* कट गया। आरा मशीन पर काम कर रहा था।

विक्की : और तुम्हारी यूनियन, उसने क्या किया?

अज्जू : अबे वो यूनियन है ना। उसने बीस-पच्चीस हजार की मांग की है।

विक्की : हां मैं जानता हूं तुम्हारी उस खोखा यूनियन को। पांच-छह हजार में बात निपटवा देगी और उसमें भी दस परसेंट खा जाएगी।

अज्जू : उसका इतना हाथ कट गया, और उसे सिर्पळ पांच-छह हजार रुपये मिलेंगे?

बादल : क्या यार! तुम पैळक्ट्री वेळ बाहर भी पैळक्ट्री की बात करते रहते हो। वुळछ और काम नहीं है तुम्हें?

विक्की : अबे तो और किसकी बात करें?

अज्जू : हम क्या माधुरी दीक्षित की बात करें।

बादल : हां यार माधुरी दीक्षित की बात करो। क्या हँसती है, बिल्वुळल शालू जैसी।

विक्की : अबे चल न, जब देखो शालू-शालू करता रहता है।

अज्जू : हां, तू छोड़ शालू को। तेरे बाप ने जो नई साइकिल खरीदी है वो ले आ। पहाड़ी पे चलते हैं बेर खाने।

बादल : बेर खाने! चलो।

अज्जू : अबे साइकिल तो ले आ।

बादल : नहीं यार पैदल ही चलते हैं।

अज्जू : अबे देख साइकिल की ऐंठ दिखा रहा है।

बादल : पंचर हो जाएगी तो?

विक्की : ऐंठ दिखा रहा है यार।

बादल : विक्की ऐंठ नहीं दिखा रहा यार। एक बार नौकरी लग जाने दे, तुझे मोटर-साइकिल पे बेर खिला वेळ लाऊंगा।

विक्की : मोटर-साइकिल! अबे देखी है कभी।

बादल : बेटा मैंने तो देखी है। एक बार नौकरी तो लग जाने दे फिर तुम दोनों को दिखाऊंगा।

अज्जू : अबे, तेरी क्या नौकरी लगेगी, मुझे देख कभी इस पैळक्ट्री में काम करता हूं तो कभी उस पैळक्ट्री में, मेरी तो आज तक पक्की नौकरी लगी नहीं।

विक्की : मेरी तो पक्की नौकरी लगी हुई है फिर भी खाने का एक टिफिन नहीं खरीद पाया आज तक।

बादल : अबे इसकी क्या नौकरी लगेगी। आठवीं पे़ळल तो है साला। तू क्या दांत फाड़ रहा है। तू भी पै़ळक्ट्री में जूते वेळ तलवे चिपकाता है। बेटा मुझे देखियो बारहवीं पास करवेळ जाऊंगा सीधा कॉलिज में और कॉलिज पास करवेळ एक अच्छी-सी कंपनी में सर्विस करूंगा। फिर बेटा पहली तनख़्वाह मिलते ही मोटर- साइकिल खरीदूंगा। फिर चलेंगे बेर खाने ऊपर वाली पहाड़ी पर। वहां जावेळ, कर देंगे मोटर-साइकिल बंद। और उस्ताद सीधा नीचे आएंगे। *;तीनों गाते हैं ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे...छ* फिर बेटा सीधा शालू वेळ घर वेळ सामने ब्रेक लगेगी। फिर कहूंगा शालू, आजा मेरी जान।

विक्की : आजा-मेरी जान! साले वेळ! जब सामने आती है तो पूळंक सरक जाती है।

बादल : चल ना। पूळंक सरक जाती है यार!

विक्की : जब वो सामने से आती है तो ऐसे करवेळ चला जाता है ये।

अज्जू : और वो ऐसे करवेळ चली जाती है *;चलवेळ बताता है।छ*

बादल : बेटे एक बार मोटर-साइकिल तो लेने दे, फिर बताता हूं।

विक्की : बोल देगा तू?

बादल : हां।

विक्की : पक्की बात। देख, अज्जू शालू बनवेळ आ रहा है तेरे पास।

अज्जू : तैयार हो जा मैं आ रही हूं। *बादल वेळ सामने से आता है, वो बोलने की कोशिश करता है, नहीं बोल पाता। अज्जू और विक्की हँसते हैं।*

अज्जू : अरे ये बादल पागल है। इससे वुळछ नहीं हो सकता। हा... हा...।

बादल : *;अचानकछ* शालू...। तू हँस रही है शालू। मैं तुझसे सचमुच प्यार करता हूं। मैं तेरे कंधों पर सर रखवेळ आराम करना चाहता हूं। शालू मैं तेरी जुल्फ़ों की छांव में वुळछ देर बैठना चाहता हूं। शालू मैं तुझसे बहुत प्यार करता हूं।

शालू इस दौरान आकर खड़ी हो जाती है। सकपकाई-सी देख रही होती है। बादल देखता है।

शालू : विक्की, तेरी अम्मा बुला रही है।

www.jananatyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License

अज्जू : हां, तेरी अम्मा बुला रही है। *विक्की को लेकर अज्जू जाता है।*

शालू : अच्छा मैं भी चलती हूं।

बादल : शालू।

शालू : हां।

बादल : मुझे तुमसे वुळछ कहना है।

शालू : बोल ना।

बादल : वो-वो... वो....। मैंने आज गुल्ली डंडा खेला।

शालू : बस यही कहना था।

बादल : शालू, वो ना वो... दादी कह रही थी कि वो ज़री वाली परांदी वैळसे बनाते हैं?

शालू : हां... दादी मिली थी मुझे। मैंने उन्हें बता दिया है।

बादल : शालू-वो... मैं... बापू ने नई साइकिल ले ली।

शालू : नई साइकिल... फिर तो हम दोनों...

बादल : शालू... चल हम शादी कर लेते हैं।

शालू : शादी! बादल!! *;शरमाती है और हतप्रभ हैद्ध*

अज्जू और विक्की आते हैं।

दोनों : बादल...!!

बादल : तेरी अम्मा नहीं बुला रही।

अज्जू : वो बादल पै़ळक्ट्री में...

बादल : क्या हो गया? पै़ळक्ट्री में आग लग गई।

अज्जू : पैळक्ट्री में तेरे बापू का हाथ मशीन में चला गया। करंट लगने से उनकी मौत हो गई।

बादल घुटनों वेळ बल गिरता है, शालू पास बैठती है। बादल शालू की गोद में सिर रख देता है। दृश्य परिवर्तन होता है। एक चादर बिछाकर लाश बनाई जाती है। दादी और शालू लाश वेळ पास बैठी हैं। सारे मज़दूर वहीं हैं। प्रकाश का प्रवेश। लाश वेळ पांव छूता है, बांवेळलाल वेळ पास जाता है।

प्रकाश : बांवेळलालजी यह सब वैळसे हो गया?

बांवेळलाल: प्रकाश बेटा कल तुम तो काम पर आए नहीं। तुम्हारी वाली मशीन खाली पड़ी थी। सुपरवाइज़र ने ज़बरदस्ती मंगल को उस पर लगा दिया। मंगल ने बहुत कहा 'मुझे इस मशीन वेळ बारे में मालूम नहीं', पर उसने एक न सुनी। नतीजा उसे जान से हाथ धोना पड़ा। तुम्हें तो मालूम है उस मशीन में शार्ट सर्विळट है।

प्रकाश : कितनी बार कहा है मालिक से कि नंगी तार पर प्लास्टिक चढ़वा दे पर वो हमारी बात सुनता ही नहीं।

बांवेळलाल: बेटा उन्हें नोट गिनने से पुळरसत हो तब तो हमारी बात सुनें।

शालू : बादल, दादी ने कल से वुळछ नहीं खाया है। एक ही बात कहे जा रही है'मंगल वेळ लिए जो हलवा बनाया है वो कौन खाएगा?' अर्थी कब उठेगी बादल?

बादल : बांवेळलालजी देख रहे हैं। जब वो कहेंगे तब।

शालू : मुझे तो दादी की चिंता हो रही है। उन्हें कहो न, जल्दी करें।

बादल : मैं वैळसे कह दूं जल्दी करें। जब बांवेळलालजी उचित समझेंगे, तभी होगा।

बांवेळलाल: शालू बेटा, गंजा नहीं दिखाई दे रहा।

शालू : चाचा, बापू का कल से वुळछ पता नहीं।

अज्जू : *;अवेळला बैठा हैद्ध* बादल, मंगल चाचा वेळ ताऊ वेळ यहां खबर कर दी क्या?

बादल : ख़बर तो कर दी थी पर उन्हें आने में वक़्त लग जाएगा।

अज्जू : और नाई को बुला लिया?

बादल : नहीं मैं बाल नहीं कटवाऊंगा।

अज्जू : बाल नहीं कटवाएगा तो बिरादरी वाले दस बातें कहेंगे।

बादल : मुझे वुळछ नहीं लेना बिरादरी वालों से, मैं अवेळला ही ठीक हूं।

विक्की : राव आरा मिल में एक मजदूर रामदीन मशीन पे काम कर रहा था। उसका हाथ मशीन से कट गया। और वहां की साली खोखा यूनियन बेमतलब में बकवास किए जा रही है। गुस्सा तो मुझे उसवेळ मालिक पर आ रहा है। उसको तो मैं चौक पर खड़ा करवेळ जूते मारूंगा।

बांवेळलाल: बेटा विक्की इतना ताव खाने से वुळछ नहीं बनेगा। या तो उस मिल वेळ मज़दूरों को ही चेतना पड़ेगा वरना हम क्या कर सकते हैं।

विक्की : बहुत बढ़िया बांवेळलाल जी, न उस मिल वेळ मजदूर वुळछ करेंगे और न हम। और रामदीन की तो हो गई जिंदगी खराब। बैठा है अपने घर पर, इससे तो बढ़िया होता कि वो मर जाता।

बांवेळलाल: अरे चुप करो। तुम तो कहीं भी वुळछ भी बोल देते हो। जाओ घड़े में पानी भर कर लाओ। *विक्की बाहर जाता है।*

शालू : दादी, तू अंदर चल, बहुत देर से बैठी हुई है।

बादल : अज्जू, गंजा चाचा कहां है?

अज्जू : मैं तो सारी जगह देख आया, मुझे तो कहीं दिखे नहीं।

बादल : ठेवेळ पर देखा तूने?

अज्जू : सबसे पहले वहीं गया था।

विक्की वापस आता है।

विक्की : बांवेळलालजी, वो मालिक और उसका लौंडा आ रहा है साला।

बांवेळलाल: वो अब क्या करने आ रहा है?

मालिक और उसका बेटा आते हैं। बाहर खड़े होकर बात करते हैं।

बेटा : डैड, आई हैव ओनली फ़ळाइव मिनिट्स। प्लीज़ डोंट

www.jananatyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License

वेस्ट माई टाइम।

मालिक : डोंट वेस्ट टाइम! वुळत्ते दा पुत्तर न होए ते। चुप करवेळ खड़ा रहीं ओथे, वुळछ नहीं बोलना। छेती-छेती न करीं, चल।

;लाश वेळ पास आते हैं। नमस्कार करते हैं। मालिक बादल वेळ पास जाता है।द्ध

मालिक : पुत्तर, बड़ा अफ़ळसोस है पुत्तर। इंतहाई नेक और शरीफ़ळ आदमी सी मंगल। रब उसकी आत्मा को शांति दे। और पुत्तर तू फ़िळक्र मत कर। असी तेरे नाल हूं। *;वुळछ रुपये देता है।द्ध* रख लै, रख लै। काम आएंगे।

बेटा : जल्दी करो न पापा प्लीज़।

मालिक : चुप *;डांटता हुआद्ध*। बांवेळलालजी कितनी बार कहा मंगल को, छुट्टी लै ले, छुट्टी लै ले, पर वो मेरी बात ही नहीं समझता था। कहता था, 'जब तक मैं काम नहीं करता न बाऊजी, मुझे रोटी में स्वाद नहीं आता, मैं उस मशीन पर काम करना चाहता हूं बाऊजी, मैं इस मशीन पर काम करना चाहता हूं। मैं ये काम करना चाहता हूं, मैं वो काम करना चाहता हूं।' ये काम ही उसका काल बन गया सी। रब अच्छे लोगों नू जल्दी उठा लेंदा है।

बांवेळलाल: मंगल तो सुपरवाइज़र को मना कर रहा था, पर उसने एक न सुनी। बेचारे को बेवजह जान से हाथ धोना पड़ा। और ये मशीन तो पिछले छः महीने से ख़राब पड़ी है। आपकी लॉग बुक में भी ये दर्ज है।

मालिक : अच्छा! कापळी कंप्लेंट्स आई हैं पहले भी। मैं उस सुपरवाइज़र वेळ ख़िलाफ़ळ ज़रूर कोई एक्शन लूंगा। बांवेळलालजी, अभी तो यहां का काम संभालो। सब वुळछ ठीक-ठाक से निपट जाए तो कावेळ को मेरे पास ले आना। वैसे तो आप जानते हैं कि हम ओवर स्टाफ़ळ हैं पर कोई छोटा-मोटा काम निकल ही आएगा।

बादल : मैं पैळक्ट्री में काम नहीं करूंगा।

मालिक : ओ काका, तू नहीं करना चाहता तो तेरी मर्ज़ी भई।

बांवेळलाल: अरे मज़दूरी नहीं करेगा तो खाएगा कहां से, और तेरी दादी की देखभाल कौन करेगा? आप फ़िळकर न करें जी, मैं इसे ले आऊंगा।

मालिक : बांवेळलालजी, अगर पुत्तर नहीं चाहता तो रहने दे।

बेटा : पापा अब जल्दी भी करो।

मालिक : चुप! वुळत्ते दा पुत्तर न होए तो। बांवेळलालजी अब देर किस बात की है?

बांवेळलाल: बस जी सब तैयार है।

मालिक : तो छेती करो भई-चलो, चलो।

बांवेळलाल: आओ जी।

;मालिक अर्थी को कंधा देने वेळ लिए उठाने लगता है। दादी अपना डंडा पकड़ वेळ अचानक खड़ी हो जाती है।द्ध

दादी : हाथ न लगाना मेरे मंगल को। कहीं नहीं ले जाएगा तू। ये अर्थी नहीं उठेगी, नहीं उठेगी अर्थी।

मालिक और उसका बेटा फ़्रीज़ करते हैं, उसवेळ सामने सारे लोग खड़े होकर गाते हैं। मालिक जाता है।

गाना : हर सवाल जवाब मांगेगा
हर सवाल जवाब मांगेगा
कौन वळातिल, कौन बिस्मिल
हर सवाल जवाब मांगेगा।
ये कहानी ख़त्म नहीं यहां
वक़्त बावळी किताब मांगेगा।
अरमानों की लाश बेचने वालो
ज़हन ज़िंदा है ख़्वाब मांगेगा।
हर सवाल जवाब मांगेगा।
गर्म राख पे खड़े हो तुम
सूखा तिनका आग मांगेगा
हर सवाल जवाब मांगेगा।
हँसो और हँसो, बुझती लौ पे
अंधेरा आफ़ळताब मांगेगा।
हर सवाल जवाब मांगेगा
ज़ुल्म की जब इंतिहा होगी
लहू अपना हिसाब मांगेगा।
लहू अपना हिसाब मांगेगा।

दृश्य परिवर्तन होता है। शालू परांदे बना रही है। ठेवेळदार आता है।

ठेवेळदार : अरे ओ शालू जल्दी कर ले। पीस दे दे। कितने बनाए आज?

शालू : बीस।

ठेवेळदार : बीस! अरे चालीस की एवरेज बनती है।

शालू : वो किसी की मौत हो गई थी।

ठेवेळदार : मौत हो गई थी! तेरा बाप तो कह रहा था, शादी है, जश्न मना रहा हूं।

शालू : मेरा बाप?

ठेवेळदार : हां मिला था आज दारू वेळ अड्डे पे। अरे ये क्या, ये वैळसा पीस बनाया है तूने, और ये क्या-इतना गंदा, ऐसे वैळसे काम चलेगा।

शालू : ठीक ही तो है।

ठेवेळदार : जामुनी रंग इस्तेमाल करना था। ऐसे नहीं चलेगा। अच्छा ये बता कल वेळ कितने पीस थे?

शालू : चालीस।

ठेवेळदार : परसों वेळ?

www.janantyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License

शालू : पचास।

ठेवेळदार : चालीस और पचास-ये ले नब्बै रुपये। ठीक है न।

शालू : और परले दिन वेळ?

ठेवेळदार : कौन सा परला दिन?

शालू : जब मैंने तीस पीस बनाए थे।

ठेवेळदार : वो तेरा बाप ले गया।

शालू : तूने उसे क्यों दिया?

ठेवेळदार : मेरी दुकान पर आ गया, कहने लगा□तू मेरी बेटी की कमाई खाता है, मैंने कहा□ले साले दफ़ळा हो जा। मैं कोई कमाई-वमाई नहीं खाता।

शालू : आगे से मत दियो उसे।

ठेवेळदार : क्यूं तेरा बाप नहीं लगता। *;शालू उसे घूरती है।ध्द* अच्छा तू कहती है तो नहीं दूंगा। ठीक से डायरी में नोट कर ले।

शालू : हां-हां कर लिया।

ठेवेळदार : क्या नोट कर लिया-१८ पीस आज वेळ नोट कर।

शालू : १८ पीस वैळसे?

ठेवेळदार : *;चिढ़ाते हुएध्द* क्यों दो ख़राब नहीं निकले।

शालू : तो वापिस कर मुझे।

ठेवेळदार : *;चिढ़ाते हुएध्द* वापिस कर मुझे। कच्चा माल तेरा बाप देगा?

शालू : तुझे अपना माल पूरा चाहिए न, और दो पीस बना कर बीस पूरे कर दूंगी।

ठेवेळदार : अच्छा चोट्टी, हमारा माल चोरी कर बाज़ार में बेचती है। मैं सब समझता हूं। कोई पीस वापिस नहीं मिलेगा।

शालू : ऐसे वैळसे वापिस नहीं मिलेंगे। तेरा बाकी का माल वापिस नहीं करूंगी मैं।

ठेवेळदार : अरे धमकी दे रही है। ये ले रख। लेकिन अगली बार मुहल्ले का कोई ठेवेळदार तुझे माल नहीं देने का।

शालू : ऐसे वैळसे पेळंक रहा है, गंदे हो गए तो।

ठेवेळदार : गंदे हो गए? गंदे तो पहले से ही हैं।

शालू : जा-जा।

□ठेवेळदार जाता है। नशे में धुत गंजा आता है।□

गंजा : चलो रे डोली-उठाओ कहार, पिया मिलन की)तु आई *;गाता है।ध्द* शालू, ओ शालू।

शालू : वुळछ शर्म भी है या नहीं तुझे। तेरे दोस्त की मौत हो गई है और तू चौबीस घंटे बाद शराब पीवेळ आ रहा है। सब पूछ रहे थे तुझे। दादी की क्या हालत हो रही थी। तुझसे इतना तो हुआ नहीं कि दोस्त की अर्थी को कंधा दे, ऊपर से डोली वाला गाना गा रहा है।

गंजा : ओ मंगल, तू कहां चला गया रे मुझे छोड़ वेळ और मैं यहां रह गया। मंगल तुझे याद है जिस दिन तेरा बेटा पैदा हुआ था। तूने दारू पिलाया था। तू तो दो पैग पीते ही धुत हो गया। मैंने पूरी बोतल को खतम कर दिया, फिर तुझे उठाकर घर लाया। *;हँसता है, फिर रोने लगता है।ध्द* ओ भगवान! तू भी अच्छे लोगों को जल्दी उठा लेता है और मुझ जैसों को छोड़ देता है। *;रोता हैध्द* शालू तू मुझे १२ रुपया दे दे।

शालू : मैं तुझे एक पैसा नहीं दूंगी। तूने ठेवेळदार से पैसे क्यों लिए?

गंजा : मैंने पैसे नहीं लिए। उसने मुझे दारू पिलाया था।

शालू : पर पैसे तो उसने मेरे काटे न।

गंजा : कितने पैसे काटे तेरे, तू ऐसा कर मुझे १२ रुपये दे दे। मैं अभी जाकर उससे तेरे २० रुपये वापिस लाता हूं।

शालू : मैं वुळछ नहीं दूंगी।

गंजा : तू पैसे नहीं देगी तो ये माल ले जाकर बेच दूंगा। शराब पी लूंगा मैं।

शालू : छूकर तो देख।

गंजा : जबान चलाती है हरामजादी *;मारने लगता है। दादी आती है।ध्द*

दादी : शालू! अरे नासपीटे अपनी कमाऊ बेटी पर हाथ उठाता है। कहां मर गया था, कहां रह गया था कल *;गंजे को लट्ठ से मारती है।ध्द* मंगल की अरथी को कंधा देने भी नहीं आया बड़ा दोस्त बना फिरता था।

गंजा : अम्मा!

दादी : मर गई अम्मा, चला जा *□गंजा जाता है।□*

शालू : दादी *;दादी से लिपटकर रोती है। दादी उसे संभालती है।ध्द*

दादी : शालू बेटी, वो जरी वाली परांदी वैळसे बनाते हैं?

शालू : अभी दिखाती हूं दादी।

दादी : तू ये मुझे दे दे। मैं कल लौटा दूंगी।

शालू : ठीक है दादी।

दादी : और सुन बेटा, तू फिकर मत कर, सब ठीक हो जाएगा।

□दादी और शालू जाते हैं। फ़ैळक्ट्री का दृश्य बनता है। अज्जू, विक्की, बांवेळलाल, प्रकाश, गंजा काम करते हैं। मालिक और बेटे का प्रवेश।□

मालिक : पुत्तर सारा काम ठीक से समझ लेईं। सब वुळछ तुझे ही संभालना है। यू नो, दिस इज़ द असेम्बली सेवूळशन।

बेटा : वंडरपुळल।

मालिक : और यहां वेळ इंचार्ज हैं बांवेळलालजी□ बांवेळलालजी, मीट माई सन, आपवेळ नए मालिक। बांवेळलालजी अब आपको और हमको इन्हीं की नौकरी करनी है। *;हँसता है।ध्द*

बेटा : कम ऑन डैड।

मालिक : कमिंग पुत्तर कमिंग, कमिंग। देख पुत्तर यहां से माल

www.jananatyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License

जाता है रिप़ळाइनिंग वेळ लिए। और रिप़ळाइनिंग का काम देखते हैं गंजेशाहजी–वाह जी वाह गंजेशाह क्या हाल हैं तेरे। इस बार तो तूने कमाल ही कर दिया। सात दिनों से लगातार आ रहा है काम पर। क्या हो गया भई।

गंजा : मेरी तबियत ठीक हो गई जी। अब मैं रोज आया करूंगा।

मालिक : वेरी गुड भाई। ऐसा करियो शाम को आ जइयो मेरे पास। मैंने तेरे लिए आधी बोतल ओल्ड मंक की बचाकर रक्खी है। भई गंजेशाह जी इज़ एक्सिलेंट कारीगर। वैसे अगर ये दो पैग न लगा लें तो इनका हाथ कांपता है। इनका ख़ास ख़्याल रखना पड़ता है। यहां से माल जाता है पैकिंग वेळ लिए–ओ भाई बांवेळलालजी वो पैकिंग वाला मुंडा कहां गया? वो मंगल वेळ लौंडे को नौकरी दी थी न।

बादल आता है। मालिक का बेटा उसे खा जाने वाली दृष्टि से देखता है।

बांवेळलाल: आ गया जी।

मालिक : ओ काका, पहले ही हफ़्ते में इतनी देर। ये बात ठीक नहीं है काकाजी। देखो इधर आओ। तेरा बाप एक भी दिन देरी से नहीं आया। बड़ा अच्छा आदमी था मंगल। भगवान उसकी आत्मा को शांति दे। काका लगन और मेहनत से काम करेगा तो तरक़्क़ळी करेगा–जैसे तेरे बाप ने की। चल अब छेती से छेती काम शुरू कर दे और एक पीस मुझे पकड़ा दे। हां, वेरी गुड। ओ पुत्तरजी कित्थे चले जांदे तुसी। हां लुक एंड टेल मी, हाओ इज़ दिस पीस?

बेटा : लवली डैड। इट इज़ वंडरपुळल।

मालिक : *बेटे को थप्पड़ मारता है।* वंडरपुळल! ओ वुळत्ते दा पुत्तर न हो तो। वंडरपुळल, एड़ी देखी तूने, टेड़ी है।

बेटा : सो वॉट डैड, डोंट वरी। हम इसी टेड़ी एड़ी पर छोटा सा फ़्लोरोसेंट प्लास्टिक स्टिकर चिपकाएंगे और मार्विळट में वुळछ इस तरह से पेश करेंगेअ न्यू कॉन्सेप्ट इन द पुळटवियर इंडस्ट्री। डैड, इसे कहते हैं मॉडर्न मावेर्ळटिंग टेक्नोलोजी।

मालिक : अच्छा! मॉडर्न मावेर्ळटिंग टेक्नोलोजी? मैनु सिखान चलिया है। तैनु पता है, बेस जब तक स्ट्रांग न होए न तब तक कोई माल नहीं चलदा। चल जावेळ अकाऊंट सेक्शन देख। बांवेळलालजी एड़ी टेड़ी नहीं होनी चाहिए। *जाते हैं।*

गंजा : आज तो मैं अंग्रेजी पीऊंगा। *;सभी हँसते हैं।द्ध*

बांवेळलाल: और मालिक का बचा हुआ मीट खाएगा। *;सब हँसते हैं।द्ध*

गंजा : तुम्हारे नसीब में तो ठर्रा भी नहीं है।

बांवेळलाल: भगवान बचाए ऐसी बला से।

बादल : चाचा हमारा मालिक है बड़ा अच्छा। देखो मैं देर से आया फिर भी कितने प्यार से समझाया।

प्रकाश : तू तो उसका पुत्तर है न, तभी तो प्यार से बोलता है तुझसे और अपने बेटे से कहता है वुळत्ते दा पुत्तर।

अज्जू : अपना मालिक है वाकई अच्छा। वो राव आरा मिल है न, उसका मालिक तो ढंग से बात भी नहीं करता। और मजदूरों को मारता भी है।

विक्की : अरे कम से कम दूसरे मालिकों का मारना दिखाई तो देता है। हमारा मालिक तो गुमचोट मारता है, वो भी सबको, एक साथ।

बादल : अबे यार तुझे तो बहाना चाहिए मालिक की बुराई करने का। क्या बुराई है अपने मालिक में?

बांवेळलाल: बादल बेटा, जिस सुपरवाइज़र वेळ कारण तेरे बाप की मौत हुई, क्या उसवेळ ख़िलाप़ळ मालिक ने कोई एक्शन लिया। *;प्रकाश सेद्ध* और तू देख भई तेरी मशीन ठीक कराई क्या?

प्रकाश : कहां कराई, अभी तक तार नंगे हैं।

बांवेळलाल: और बादल तुझे तेरे बाप की मौत का कोई मुआवज़ा मिला?

बादल : मुआवज़ा नहीं मिला तो क्या, नौकरी तो मिली।

बांवेळलाल: दिहाड़ी की। वो भी हमारे कारण।

बादल : घर चलाने वेळ लिए मुझे नौकरी की ज़रूरत थी। वो मुझे मिली। इसमें बुराई क्या है। हम मालिक वेळ मोहताज हैं।

विक्की : हम मालिक वेळ मोहताज नहीं हैं। मालिक हमारा मोहताज है।

गंजा : वो वैळसे?

बांवेळलाल: बादल बेटा, जब तेरा बाप यहां काम करने आया था ना, उसे १०० रुपये मिलते थे और जब मरा तब २०००।

अज्जू : बांवेळलालजी तब तो मंगल चाचा की २० गुणा तरक्की हुई।

विक्की : और मालिक की तरक्की हुई पूरे २००० गुणा।

गंजा : जैसे मालिक ने पूरे २००० बोतल दारू पीना शुरू कर दिया।

विक्की : २००० बोतल पीने का तो पता नहीं। पर ये पता है कि वो २००० रुपये की एक बोतल जरूर पीता है।

गंजा : वो कौन सी बोतल है भाई?

विक्की : होती होगी कोई जॉनी वाकर–टॉनी वाकर।

गंजा : वो भी देख लूंगा मैं।

विक्की : और बादल तेरे बापू ने २० साल इस पैळक्ट्री में मेहनत की उसवेळ बाद एक साइकिल ली, वो भी किश्तों पर।

प्रकाश : वो बेचारा तो चला भी नहीं पाया।

www.jananatyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License

विक्की : और क्या। और मालिक वेळ पास तीन-तीन विदेशी गाड़ियां हैं।

बांवेळलाल: वुळल मिलाकर यही है कि मेहनत तो करें हम और मौज उड़ाये वो। वो हमें इतनी ही मज़दूरी देता है कि हम ज़िंदा रह सवेळं।

विक्की : जिंदा रह सवेळं और बस काम कर सवेळं। वो भी साली ऐसी हालत में। अब राव आरा मिल को लो। रोजाना किसी का पैर कटता है या हाथ कटता है। अरे अपनी पैळक्ट्री को ले लो, पूरा दिन साला इस धुएं में मरो। ले-दे-वेळ एक बल्ब है वो भी अगर फ्यूज हो जाए तो किसी मजदूर का हाथ कट जाता है, पैर कट जाता है या फिर बादल वेळ बापू की तरह...। सूरज की किरण तो इस कमरे में आकर राजी नहीं।

गंजा : सूरज की किरण आए भी तो कहां से। इस कमरे में कोई खिड़की भी तो नहीं है।

विक्की : फिर बनाते हैं न खिड़की।

सभी : खिड़की! *[एक क्षण वेळ लिए सब एक-दूसरे को देखते हैं। बांवेळलाल डंडा लेकर दीवार तोड़ता है। दो डंडे और निवाड़ की मदद से खिड़की बनाई जाती है। सभी सम्मिलित होते हैं।]*

बांवेळलाल: वैळसी बढ़िया खिड़की बन गई वो भी मुफ़्त में। यही अगर हम बाज़ार से बनवाते तो पूरे ६०० रुपये लग जाते।

विक्की : अरे बांवेळलालजी! कौन कहता है कि खिड़की मुफ्त में बनी।

बांवेळलाल: हमने इसमें क्या लगाया?

विक्की : अच्छा देखो। १-२-३-४-५। पांच रॉड हुए पचास रुपये वेळ, एक ऊपर की रॉड और एक नीचे की रॉड-१५० रुपये वेळ, टोटल २०० रुपये। ४० रुपये वेळ अंदर ईंट, चूना, गारा, सीमेंट। क्यों ठीक है ना?

अज्जू : अरे टूल का किराया तो लगाना ही भूल गया।

विक्की : १० रुपये इसवेळ भी लगा लेते हैं।

बांवेळलाल: अगर ये सब लगा रहे हो तो हमारे दो घंटे?

विक्की : बिल्वुळल ठीक बात। मगर वो थोड़ी देर बाद बताऊंगा। यानी कि इसकी कीमत हुई २५० रुपये। और मावेर्ळट में क्या कीमत है इसकी?

बांवेळलाल/

अज्जू : ६०० रुपये।

विक्की : हम सबने मेहनत करवेळ तैयार की ये खिड़की। और उसमें ३५० रुपये बढ़ा दिए। इसमें से हमारी वेज लगाओ कोई ६० रुपये।

बांवेळलाल: नहीं १०० रुपये।

विक्की : अच्छा ठीक है १०० रुपये। यानी कि हम सबने मेनहत की उसवेळ १०० रुपये। और बाकी २५० रुपये-वो कहां ग ए ?

बादल : वो गए तेरी जेब में। *;सब हँसते हैं।ध्द*

विक्की : मेरी जेब में नहीं वो गए वुळत्ते दे पुत्तर दे प्यो की जेब में।

बादल : भई क्यों न जाएं उसकी जेब में। पैळक्ट्री उसकी, मशीन उसकी। सीधी सी बात है हम अपनी मेहनत उसे बेचते हैं और वो ख़रीदता है। मेहनत जो करते हैं हम, मिलता नहीं मोल क्या?

कोरस : सितारों की चमक, ख़रीद सकते हो?
हवाओं की महक का बताओ तोल क्या?
सागर की गहराई, बेच सकते हो?
इस कायनात का, बताओ मोल क्या?
दुनिया बनाने वाले की मेहनत का मोल क्या?

बादल : मेहनत जो करते हैं हम, मिलता नहीं मोल क्या?

कोरस : वो हाथ जो हैं पालते, हाथों का दाम क्या?
मुंह में निवाला डालते, हाथों का दाम क्या?
धरती का सीना फाड़ते, हाथों का दाम क्या?
इन खुरदरी लकीरों का तू भेद खोल क्या?
दुनिया बनाने वाले की मेहनत का मोल क्या?

बादल : मेहनत जो करते हैं हम, मिलता नहीं मोल क्या?

कोरस : इक जिस्म की थकन की, व़ळीमत बता है क्या?
पसीने की चुहन की, व़ळीमत बता है क्या?
माथे की हर शिकन की, व़ळीमत बता है क्या?
बदन वेळ हर निशान की, कहानी बोल क्या?
दुनिया बनाने वाले की, मेहनत का मोल क्या?

बादल : मेहनत जो करते हैं हम, मिलता नहीं मोल क्या?

कोरस : हर जिंस को बनाने में, मेहनत लगी है जो
दुनिया चलाने में, मेहनत लगी है जो
मोल को बढ़ाने में, मेहनत लगी है जो
इस मेहनत का बोलेंगे टाटा-बिड़ला मोल क्या?
दुनिया बनाने वाले की मेहनत का मोल क्या?

बादल : मेहनत जो करते हैं हम, मिलता नहीं मोल क्या?

कोरस : इक दिन ऐसा आएगा, बताएंगे हमीं
मेहनत का है मोल क्या, बताएंगे हमीं
मेहनतकश वेळ राज को, बसाएंगे हमीं
एक नई कायनात, बनाएंगे हमीं।

[गाने की समाप्ति पर वुळछ लोग खिड़की से नीचे देखते हैं।]

अज्जू : विक्की! नीचे सुपरवाइजर गोलू को पीट रहा है, वो देख।

विक्की : ओए, हल्लो, ओए छोड़ दो उसे।

बांवेळलाल: क्यों मार रहे हैं उसे, हुआ क्या है?

www.jananatyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License

विक्की : अरे उसे सवेरे से दस्त लगे हुए थे। वो बार-बार बाहर जा रहा था। इसीलिए मार रहा होगा साला।

बांवेळलाल: अब सुपरवाइज़र ने तो हद ही कर दी।

गंजा : चलो मालिक से शिकायत करते हैं।

अज्जू : कितनी बार शिकायत करेंगे मालिक से।

गंजा : चलो पूछते हैं नीचे।

विक्की : अरे क्या जरूरत है पूछने की। चलकर खुद बताते हैं न उसको।

अज्जू : ठीक है आजा।

विक्की : चल बादल।

बादल : मैं नहीं जा रहा।

विक्की : अबे तू तो पागल है यार, तुझे कितनी बार बताया है कि मजदूरों को साथ रहना होता है।

बादल : ठेका ले रखा है क्या हमने सारी दुनिया का?

प्रकाश : विक्की! गोलू वेळ सर से खून आ रहा है।

विक्की : बादल तू मेरी बात क्यों नहीं समझता।

अज्जू : अरे यार छोड़ो उसको। ये साला हमेशा ऐसे ही करता है। मतलब वेळ लिए अपने बाप को मार सकता है।

बादल : क्या बोला बे?

अज्जू : ठीक कह रहा हूं। अपने मतलब वेळ लिए तूने अपने बाप की झूठी कसम खाई थी।

बादल : साले! *;दोनों में हाथापाई होती है।द्ध*

बांवेळलाल: तुम लोग यहां लड़ाई करोगे तो मालिक को तो बहाना मिल जाएगा। वो तो कब से देख रहा है कि कोई बहाना मिले और मैं छंटनी करूं।

विक्की : बस भी करो।

बांवेळलाल: अभी नीचे जाकर देखो।

विक्की : चलो *[सभी जाते हैं। अज्जू अभी ऊपर ही है।]*

अज्जू : बादल इस बार तो तू बच गया मगर दोबारा तूने मजदूरों का साथ नहीं दिया तो मैं तेरी हड्डी पसली एक कर दूंगा।

[जाता है। बाहर से आवाज़ आती है[हर ज़ोर जुल्म की टक्कर में हड़ताल हमारा नारा है। बादल अपने काम में लगा है। अज्जू वापस आता है।]

अज्जू : बादल पैळक्ट्री में हड़ताल हो गई है। और तू सुन ले अगर इस बार तूने मजदूरों का साथ नहीं दिया तो बहुत बुरा होगा।

बादल : अबे जा साले बहुत देखे हैं तेरे जैसे।

[अज्जू जाता है। बादल खिड़की वेळ पास जाकर नीचे देखता है। मालिक का बेटा गालियां देता हुआ आता है।]

बेटा : अबे ओ हरामज़ादो। सबवेळ सब कहां जावेळ चोद रहे हो अपनी माओं को। मादरचोद कोई काम क्यों नहीं कर रहा। *;बादल को देखता है, मारता है।द्ध* और तू बहनचोद ड्रामा देख रहा है, साले ड्रामा देख रहा है। ड्रामा देखने वेळ पैसे देता हूं। साले तेरा बाप मर गया था पैळक्ट्री में। हमने भीख में नौकरी दी थी तुझे। तू साले हड़ताल करता है। काम कर-काम कर।

बादल : मालिक मैं तो काम ही कर रहा था।

बेटा : काम हो रहा है ये। हाथ चला-तेज़ हाथ चला। और सुन ले, मेरे बाप ने बनाया है इस पैळक्ट्री को। बीस साल से चल रही है ये पैळक्ट्री। तुम्हारी वजह से नहीं, हमारी मेहनत की वजह से। साले अभी बाहर कर दिया न तो भीख भी नहीं मिलेगी। वुळत्ते की तरह बाहर लोग लाइन लगाए खड़े हैं।

बादल : मालिक मैं तो आपवेळ पळायदे की बात कर रहा था।

बेटा : मेरे पळायदे की बात करता है दो कौड़ी का मज़दूर, गंदी नाली का कीड़ा। *;मारता है।द्ध* इन मज़दूरों की ज़ात ही ऐसी होती है। इन्होंने आज तक न मालिकों का साथ दिया है और न देंगे। अरे तुम लोग तो मतलब वेळ लिए अपने बाप को भी बेच दो।

बादल : बाबूजी बाप पर मत जाना वर्ना...

बेटा : वर्ना, वर्ना क्या कर लेगा तू *;फिर से पटककर खूब मारता है।द्ध* हरामज़ादे साले! वर्ना बोलता है। जान से मार दूंगा। जावेळ सुपरवाइज़र से अपना हिसाब कर ले। आज से तेरी नौकरी ख़त्म। *[जाता है, बादल गिरा हुआ है।]*

कोरस : यही होता है मेरी ज़िंदगी में
यही सच है इसे मानो न मानो
इसे मानो न मानो...।
मेरे हिस्से में मेहनत है कमरतोड़
मेरे हिस्से में गाली-कोसने हैं
कटौती, चंद सिक्वेळ, धमकियां हैं
यही सच है इसे मानो न मानो
यही होता है...

बादल : मैं वैळसे ख़ूबसूरत ज़िंदगी वेळ गीत गाऊं?

[बादल जाता है। मालिक और बेटा परेशान से आते हैं।]

मालिक : ओए वुळत्ते दा पुत्तर, ऐ कि कित्ता तू। पैळक्ट्री चलाना कोई ख़ालाजी का घर नहीं है कि जब चाहा किसी वेळ घूंसा मार दिया, किसी वेळ किक मार दी। वुळत्ते दा पुत्तर न हो तो।

बेटा : पापा वो मुझसे ज़बान लड़ा रहा था।

मालिक : ज़बान लड़ा रहा था तो तुझसे सुना न गया वुळत्ते दा पुत्तर। ओए पैळक्ट्री चलाने वेळ लिए तुम्हारी टेक्नालॉजी नहीं चाहिए होती है। पैळक्ट्री चलाने वेळ लिए दिमाग़ चाहिए होता है। वुळत्ते दा पुत्तर न हो तो।

www.jananatyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License

बेटा : पापा आपने ही तो कहा था कि हमें छंटनी करनी है। मैंने एक मज़दूर को निकाल दिया तो कौन सा गुनाह कर दिया।

मालिक : ओए छंटनी करनी होती है बूढ़े खुड्ढे मज़दूरों की न कि काम करने वाले मज़दूरों की। पूरे पैकिंग डिपार्टमेंट में एक मज़दूर था जो हड़ताल वेळ दौरान काम कर रहा था और तूने उसे ही निकाल दिया।

बेटा : ओ.वेळ. पापा, मैं उसे अभी वापस बुला लेता हूं।

मालिक : ओए! वापस बुला लेता हूं? तू ऐसा कर उसे वापस बुला ले। फिर यूनियन वालों को भी बुला ले। ओए तू ऐसा क्यों नहीं करता, तू मज़दूर यूनियन का लीडर क्यों नहीं बन जाता। तुझे मालूम है अगर वो यूनियन वालों वेळ हत्थे चढ़ गया तो तुम्हारे ख़िलाफ़ळ एफ़ळ.आई.आर. लॉज हो जाएगी।

बेटा : हमारे ख़िलाफ़ळ एफ़ळ.आई.आर.! पापा ऐसा करते हैं, वो हमारे ख़िलाफ़ळ एफ़ळ.आई.आर. लिखवाएं उससे पहले हम उस बादल वेळ ख़िलाफ़ळ एफ़ळ.आई.आर. लिखवा देते हैं, और उसवेळ ख़िलाफ़ळ क्या, तीन चार और मज़दूरों वेळ ख़िलाफ़ळ एफ़ळ.आई.आर. लिखवा देते हैं।

मालिक : ओए ये गल की न तूने! तूने पहली बार मेरे पुत्तर वाली गल की है। चल डी.सी.पी. सिंह नू फ़ळोन मिला।

बेटा : हॅलो, कौन, सिंह अंकल, पापा आपसे बात करना चाहते हैं।

मालिक : ओ सिंह, मैं बोल रहा हूं। पंगा हो गया ओए। मेरे यहां मज़दूरों ने हड़ताल कर दी पैळक्ट्री में। हां.हां..हां...तू नाम लिख। उनवेळ ख़िलाफ़ळ एफ़ळ.आई.आर. दर्ज कर दे। एक है अज्जू उर्फ़ळ अजय दूसरा बांवेळलाल, है तो पुराना वर्वळर लेकिन आजकल हड़तालियों वेळ साथ मिला हुआ है। तीसरा है विक्की, विक्रम पूरा नाम, नोटोरियस बैड करेक्टर है और चौथा है बादल। इसी का बाप मरा था पैळक्ट्री में। वो बदला लेना चाहता था। पुरानी रंजिश है उसकी मेरे बेटे वेळ साथ। व़ळातिलाना हमला किया है उसने मेरे बेटे पर। इनको गिरफ़्तार कर छेती। *;हँसता है।द्ध* हां बहुत टाइम हो गया, आजा किसी दिन शाम को बैठेंगे...। अच्छा मैं कावेळ नू भेजता हूं।

बेटा : पापा राव अंकल से भी बात कर लो।

मालिक : राव! राव आरा मिल? क्यूं ओए?

बेटा : पापा उनवेळ यहां भी पंगा है क्योंकि वो मज़दूर जिसका हाथ कट गया था मर गया है। और उनकी मिनिस्टर साहब वेळ साथ जान पहचान भी है।

मालिक : अच्छा! *;फ़ळोन परद्ध* राव, ये मैं क्या सुन रहा हूं ओए... ओए तूने उसको मरने क्यों दिया। हस्पताल ले जाता, दवा-दारू कराता। उसको मरने क्यों दिया तूने...। मज़दूर? मज़दूर गए भाड़ में, ओए मुझे तो सिर्फ़ळ हड़ताल की फ़िळक्र है...। हां तेरे यहां भी पंगा है, मेरे यहां भी पंगा है। अच्छा गल सुन, तू उसे जानता है अल्ली को, हां हां लेबर मिनिस्टर, फ़ळोन कर उसे। उससे कह कि इंडस्ट्रिल एशोसियेशन मीटिंग करना चाहती है उसवेळ साथ। बहुत ज़रूरी है। उससे रात वेळ खाने पर मिलेंगे। हां मेरे घर पे, हां... हां मालूम है मुझे, मैं पेटी तैयार रखूंगा...। हां ठीक है... ठीक है। *;फ़ळोन बंद करता है। बेटे से।द्ध* मैं बाव़ळी वेळ मालिकों से मिलने जा रहा हूं तू जावेळ सिंह से मिल।

बेटा : पापा एस्टीम ले जाऊं?

मालिक : नहीं, उसका ए.सी. काम नहीं कर रहा, सिएरा ले जा। *[दोनों जाते हैं। शालू वेळ घर का दृश्य, परांदियां लटकी हैं।]*

बांवेळलाल: मुझे तो ये फ़िळकर है कि हमने स्ट्राइक की कॉल देकर कोई ग़लती तो नहीं कर दी। पिचासी में जब हमने हड़ताल की थी तो दो दिन भी नहीं चला पाए थे।

विक्की : तब इस पैळक्ट्री में मजदूर कितने थे, मुश्किल से ४०-५०। आज इस पैळक्ट्री में २०० वर्वळर हैं जो कि मरने मारने को तैयार हैं। और किसी भी पैळक्ट्री को ले लीजिए आप, किसी में तालाबंदी, किसी में छंटनी, किसी में ओवरटाइम का मामला और पता नहीं क्या-क्या। मैंने आपको बताया था न कि राव आरा मिल में एक मजदूर का हाथ कट गया था।

बांवेळलाल: हां, रामदीन।

विक्की : वो कल मर गया। वहां वेळ मजदूर बुरी तरह से भड़वेळ हुए हैं उस मालिक को लेकर। और वो साली खोखा यूनियन को लेकर। हमें सिर्पळ चिंगारी छोड़नी थी और वो हमने छोड़ दी। अब तो हमें चारों तरफ से सिर्पळ संघर्ष की आग देखनी है। आपने जुलूस का टाइम कितने बजे का रखा है।

बांवेळलाल: साढ़े आठ बजे का।

विक्की : जिस समय आप पैळक्ट्री से आए थे तो कितने पुलिस वाले थे?

बांवेळलाल: यही कोई दस।

विक्की : दस यानी कि अब तक ३०-३५ हो गए होंगे। आपको अच्छी तरह पता है कि वारंट हम तीनों वेळ नाम निकला है ?

बांवेळलाल: वो है न दफ़्तरी? वो मिला था, बता रहा था कि तेरा, मेरा और अज्जू का नाम उसने साफ़ळ-साफ़ळ पढ़ा है।

विक्की : अज्जू को तो मैंने अभी साढ़े तीन बजे बाहर भेज दिया

www.jananatyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License

है। कहीं उसको पुलिसवाले न उठा लें।

बांवेळलाल: अरे उसकी पिळकर मत करो, वो बहुत होशियार लड़का है। वुळछ न वुळछ कर लेगा। वैसे आते हुए मैंने प्रकाश वेळ घर में बोल दिया था कि अज्जू कहीं भी दिखाई दे, उसे पळौरन शालू वेळ घर भेज दे।

विक्की : और ये बादल पता नहीं कहां मर गया है। अरे आपने बेमतलब रोका अज्जू को। अच्छा होता साले वेळ हाथ-पैर तोड़ देता तो कहीं भागता तो नहीं।

बांवेळलाल: एक-दो दिन में कोई नहीं सीखता। धीरे-धीरे सब सीख जाते हैं। अब ये कल ही की बात देखो-कोई मज़दूर हमारे साथ नहीं था और आज सब कंधे से कंधा मिलाकर हमारे साथ जाने को तैयार हैं।

विक्की : आपने ही जबरदस्ती करवेळ ये मांग रखी कि बादल को काम पर वापस लो। उसी को मजदूर जुलूस में नहीं पाएंगे तो उनवेळ तो हौसले टूट जाएंगे और हड़ताल ठप्प हो जाएगी।

बांवेळलाल: अभी हमारे पास दो घंटे बाक़ी हैं, वुळछ न वुळछ हो जाएगा।

[शालू आती है।]

शालू : विक्की देख मैंने झंडा सी लिया। बाकी वेळ झंडे पुष्पा, प्रेमवती और माया सिल रही हैं। आधे घंटे वेळ अंदर दादी ले आएंगी।

विक्की : अच्छा वो पोस्टर छपवाने की जिम्मेदारी किसको दी है?

बांवेळलाल: वो मैंने गंजे को पैसे दे दिए थे, वो लेकर आता होगा।

विक्की : और लेई?

शालू : सुरेश ला रहा है।

बांवेळलाल: तूने उसे कहां लगा दिया। वो तो सोता ही रह जाएगा। बेटा तू ही जा और पळटापळट लेकर ही आना। सारी औरतों को बता देना कि जुलूस का टाइम साढ़े आठ बजे का है। जुलूस वेळ आगे औरतें ही रहेंगी। ताकि पुलिस को लाठी चार्ज करने का मौक़ळा ही न मिले।

[अज्जू आता है।]

अज्जू : इंकलाब जिंदा... *;विक्की उसका मुंह बंद करता है।ध्र* अबे क्या तुम लोग आज वेळ दिन भी नारे नहीं लगाने दोगे। आज नारे नहीं लगाऊंगा तो कब लगाऊंगा।

बांवेळलाल: बेटा तेरे नाम का वारंट इश्यू हो गया है।

अज्जू : वो तो मुझे पहले ही मालूम है। इसीलिए तो मैं वहां गया था, छुपते-छुपाते कंबल ओढ़कर। और पता है मैं वहां पहुंचा तो पुलिस वाला मुझसे पूछता है-अबे ओ अज्जू कहां है?

;सभी हँसते हैं।ध्र

बांवेळलाल: अच्छा पैळक्ट्री वेळ क्या हाल हैं?

अज्जू : अजी टनाटन। शर्माजी थे पैळक्ट्री गेट पर। उन्होंने बताया कि पैळक्ट्री वेळ अंदर दस मजदूर हैं और सारे हमारे साथ हैं। और सबसे बड़ी बात ये कि राव आरा मिल वेळ पांच सौ मजदूर हड़ताल पर हैं। और वो शाम को आ रहे हैं जुलूस में। सारा माहौल गर्म है और क्या नारे लगा रहे हैं यार-इंकलाब जिंदाबाद।

[गंजा आता है, नशे में धुत है।]

गंजा : जिंदाबाद, जिंदाबाद...

विक्की : अरे गंजा चाचा पोस्टर कहां हैं?

गंजा : कौन से पोस्टर?

बांवेळलाल: गंजे मैंने तुझे पोस्टर लाने वेळ लिए पैसे दिए थे।

गंजा : कौन से पैसे?

शालू : चाचा तुमने भी किसे पैसे दे दिए। ये सारे पैसे दारू में उड़ावेळ आया होगा।

गंजा : कौन सा पैसा?

शालू : चल भाग यहां से। कोई शर्म हया बाकी है या नहीं?

[धक्का देकर गंजे को भगाती है। बांवेळलाल रूनक्खी हो गई शालू को ढांढ़स बंधाते हैं।]

अज्जू : यार विक्की, बादल की कोई खबर है क्या?

विक्की : नहीं यार।

अज्जू : ये सब मेरी वजह से हुआ। न ही मैं उसे वुळछ कहता न ही ये बात होती।

विक्की : तेरी वजह से क्या हुआ, मारा तो उसे उस साले मालिक वेळ बेटे ने है।

अज्जू : मालिक की मैं ऐसी की तैसी कर दूंगा और उसवेळ हरामी लड़वेळ वेळ टुकड़े-टुकड़े कर दूंगा मैं।

विक्की : अब वो सब करने की जरूरत नहीं है। अब सारे मजदूर एक साथ हो गए हैं न।

बांवेळलाल: बेटा जब मज़दूर एक साथ हो जाते हैं न, तो उसवेळ आगे तो बड़े-बड़ों को भी घुटने टेकने पड़ते हैं।

विक्की : और ये मालिक और उसका लौंडा तो चीज क्या हैं। मजदूरों की एकता वेळ सामने तो उसवेळ बाप को भी घुटने टेकने पड़ेंगे।

[दादी आती है।]

दादी : शालू, सुन विक्की, बादल...

विक्की : कहां है बादल?

दादी : प्रकाश बता रहा था कि बादल बेरी वाली पहाड़ी पर है-शालू।

विक्की : शालू तू जल्दी जा बादल को लेकर आ।

शालू : लेकिन वो झंडे।

अज्जू : वो हम कर लेंगे।

www.jananatyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License

बांवेळलाल: तू जल्दी जा।

[बेरी वाली पहाड़ी पर शालू और बादल बात कर रहे हैं।]

बादल : शालू।

शालू : बादल, तू ठीक तो है न बादल।

बादल : ये बातें छोड़ तू शालू, चल मेरे साथ।

शालू : कहां?

बादल : अब हम यहां नहीं रहेंगे, ये सारे बेकार हैं। किसी ने मेरा साथ नहीं दिया। अगर ये मेरा साथ देते तो क्या मालिक का लड़का मुझे मारता? गंदी नाली का कीड़ा और पता नहीं क्या-क्या कहा उसने मुझे। शालू अब हम यहां नहीं रहेंगे, हम यहां से चले जाएंगे। शालू कहीं दूर एक अलग दुनिया बसाएंगे। शालू तू दुल्हन बनेगी। हम दोनों शादी कर लेंगे। शालू तू वुळछ बोलती क्यों नहीं?

शालू : मैं नहीं जाऊंगी तेरे साथ।

बादल : शालू देख अगर तूने मेरा साथ नहीं दिया न तो फिर देख शालू...

शालू : तो फिर क्या करेगा?

बादल : अपनी जान दे दूंगा मैं, मर जाऊंगा मैं।

शालू : तू क्या समझता है, तेरी धमकी से मैं डर जाऊंगी। आज तूने मजदूरों का साथ नहीं दिया, कल मेरे साथ भी ऐसा करेगा तू।

बादल : शालू, शालू...।

शालू : ये देख, ये लाल झंडा है और ये तेरे लिए उठा है। पैळक्ट्री में मजदूरों ने हड़ताल की है और उन सबकी पहली मांग है कि बादल को वापिस लिया जाए। दूसरी पैळक्ट्री में भी मजदूर अपने हक वेळ लिए लड़ रहे हैं। आज जुलूस निकलेगा, सैकड़ों मजदूर उसमें शामिल होंगे। हो सकता है वहां गोली चले, खून बहे। और ये सब सिर्पळ तेरे लिए होगा। लेकिन तुझे क्या बादल, तू तो अवेळला रहना चाहता है न, तो तू रह अवेळला, मैं जा रही हूं। *;जाने लगती है। बादल पीछे से पुकारता है।द्ध*

बादल : शालू मुझे भी अपने साथ ले ले।

[सारे पात्र आते हैं, गाते हैं। जुलूस बनता है।]

यही होता है मेरी ज़िंदगी में
यही सच है इसे मानो न मानो
अवेळली मौज का जीना मुश्किल
सभी मिल जाएं तो सैलाब होंगे
चलो संघर्ष की मशाल जलाएं
जो बाज़ू बोझ से अब थक गए हैं
चलो मिलकर वेळ अब झंडा उठाएं
चलो हम ख़ूबसूरत ज़िंदगी वेळ गीत गाएं।

O

www.jananatyamanch.org Distributed under Creative Commons Attribution-ShareAlike 3.0 License